Class - VI

Sub - Sanskrit I

Date

Page

प्रश्न 1 संस्कृत में वचन कितने होते है?

उत्तर संस्कृत में तीन वचन होते है -

i) एकवचन ii) द्विवचन iii) बहुवचन

प्रश्न 2. संस्कृत में लिंग कितने होते है?

उत्तर संस्कृत में तीन लिंग होते है -

i) पुल्लिंग ii) स्त्रीलिंग iii) नपुसंकलिंग

प्रश्न 3. संस्कृत में पुरुष कितने होते है?

उत्तर संस्कृत में तीन पुरुष होते है -

i) प्रथम पुरुष ii) मध्यम पुरुष iii) उत्तम पुरुष

29/04/2020

कर्ता (कार्य को करने वाला)

कर्ता को संस्कृत में तीन पुरुषों में बांटा गया है।

प्रथम पुरुष - जिसमें कार्य करने वाला कोई और व्यक्ति हो। जैसे - सः तौ, ते रामः सीता इत्यादि।

मध्यम पुरुष - जिसमें कार्य करने वाला हमारे सामने वाला व्यक्ति हो। जैसे - तुम, तुमदोनों, तुम सब त्वं युवां यूयं।

उत्तम पुरुष - जिसमें कर्ता हम स्वयं हो जैसे - मैं हम दोनों हमसब अहं आवाम् वयम्

कर्ता की पुरुष के अनुसार सारणी

	एक	द्वि	बहु
प्रथम पुरुष	सः/सा वह	तौ/ते वेदोनो	ते/ताः वे सब
मध्यम पुरुष	त्वं तुम	युवाम् तुमदोनो	यूयम् तुमसब
उत्तम पुरुष	अहं मैं	आवां हमदोनो	वयं हमसब

21/04/2020

प्रथम पुरुष

सः - वह (पुल्लिंग)
सा - वह (स्त्रीलिंग)

तौ - वेदोनों (पुल्लिंग)
ते - वे दोनों स्त्रीलिंग)

ते - वे सब (पुल्लिंग)
ताः वे सब (स्त्रीलिंग)

मध्यम पुरुष

त्वम् - तुम (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)
युवाम् तुम दोनों (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग
यूयम् तुम सब (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग

उत्तम पुरुष

अहम् मैं (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग
आवाम् हम दोनों (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग
वयम् हम सब (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)

21/04/2020

प्रथम पुरुष

सः - वह (पुल्लिंग)
सा - वह (स्त्रीलिंग)

तौ - वेदोनों (पुल्लिंग)
ते - वे दोनों (स्त्रीलिंग)

ते - वे सब (पुल्लिंग)
ताः वे सब (स्त्रीलिंग)

मध्यम पुरुष

त्वम् - तुम (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)
युवाम् तुम दोनों (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)
यूयम् तुम सब (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)

उत्तम पुरुष

अहम् मैं (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)
आवाम् हम दोनों (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)
वयम् हम सब (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग)

प्रथम पु.	स:
मध्यम	त्वम्
उत्तम	अहम्

कर्त्ता के साथ क्रिया का प्रयोग

1. संस्कृत वाक्य रचना हो या हिन्दी वाक्य रचना, कर्त्ता व क्रिया समान पुरुष और समान वचन के अनुसार होते है।

2. कर्त्ता जिस पुरुष या वचन का होता है क्रिया भी उसी वचन व पुरुष की होती है।

जैसे-

		कर्त्ता व क्रिया (धातुरूप)		
		एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
/स्त्रीलिंग)	प्रथम पु.	सः / पठति	तौ / पठतः	ते / पठन्ति
/स्त्रीलिंग	मध्यम	त्वम् / पठसि	युवां / पठथः	यूयम् / पठथ
/स्त्रीलिंग	उत्तम	अहम् / पठामि	आवाम् / पठावः	वयम् / पठामः

/स्त्रीलिंग

/स्त्रीलिंग

/स्त्रीलिंग

पुल्लिंग शब्द:

सिंह: = शेर
बालक: = लड़का
गणेश: = गणेश
सूर्य: = सूरज
गज: = हाथी
शुक: = तोता
मयूर: = मोर
गर्दभ: = गधा
अश्व: = घोड़ा
वानर: = बंदर
कपोत: = कबूतर
बिडाल: = बिल्ला
अज: = बकरा
सौचिक: = दर्जी
सैनिक: = सैनिक
भल्लूक: = भालू
कृषक: = किसान
काक: = कौआ
वृषभ: = बैल
चन्द्र: = चाँद
वृद्ध: = बूढ़ा
छात्र: = विद्यार्थी
शिक्षक: = अध्यापक
मण्डूक: = मेंढक
कुक्कुर: = कुत्ता
मृग: = हिरण / हरिण
वृक्ष: = पेड़
विद्यालय: = विद्यालय

Date 2/5/2020
Page

वाक्य रचना

वाक्य - अनुवाद

बालकः पठति = बालक पढ़ता है।

गजः चलति = हाथी चलता है।

सिंहः गर्जति = शेर गर्जन करता है।
या दहाड़ता है

शुकः वदति = तोता बोलता है।

अश्वः धावति = घोड़ा दौड़ता है।

वानरः कूर्दति = बन्दर कूदता है।

मयूरः नृत्यति = मोर नाचता है।

छात्रः पठति = विद्यार्थी पढ़ता है।

मृगः धावति = हिरण दौड़ता है।

कृषकः कृषति = किसान खेती करता है।

स्त्रीलिंग शब्द:

बालिका	लड़की
अजा	बकरी
मक्षिका	मक्खी
स्थालिका	थाली
यवनिका	पर्दा
दुर्गा	दुर्गा माँ
लता	बेल
घटिका	घड़ी
कोकिला	कोयल
दोला	झूला
छात्रा	छात्रा
छुरिका	छुरी (चाकू)
प्रयोगशाला	प्रयोगशाला
सेविका	सेविका
गायिका	गायिका
लेखिका	लेखिका
नौका	नाव
शिक्षिका	शिक्षिका
पेटिका	पेटी (संदूक)
अग्निपेटिका	माचिस की डिब्बी
माला	माला
सूचिका	सूई
पिपीलिका	चींटी
कुञ्चिका	चाबी
मापिका	फुट / मापक
द्विचक्रिका	साईकिल
उत्पीठिका	मेज

वाक्य रचना

बालिका पठति	= लड़की पढ़ती है।
अजा चरति	= बकरी चर रही है।
कोकिला गायति	= कोयल गा रही है।
गायिका गायति	= गायिका गा रही है।
लेखिका लिखति	= लेखिका लिख रही है।
शिक्षिका पाठयति	= शिक्षिका पढ़ा रही है।
चिपीलिका चलति	= चींटी चल रही है।
छात्रा पठति	= छात्रा पढ़ रही है।
नौका चलति	= नाव चल रही है।
प्रयोगशाला अस्ति	= प्रयोगशाला है।

नपुसकलिंग शब्दा:

फलम्	-	फल
पुष्पम्	-	फूल
पत्रम्	-	पत्ता
पुस्तकम्	-	पुस्तक / किताब
वातायनम्	-	खिड़की
वस्त्रम्	-	कपड़ा
मुकुटम्	-	मुकुट
वाहनम्	-	गाड़ी
रेलयानम्	-	रेलगाड़ी
क्रीडनकम्	-	खिलौना
कबंधम्	-	कंघा
मसीपात्रम्	-	स्याही की दवात
व्यजनम्	-	पंखा

वाक्य रचना

वाहनम् चलति	=	गाड़ी चल रही है।
पुष्पम् विकसति	=	फूल खिल रहा है।
पुस्तकम् अस्ति	=	पुस्तक है।
रेलयानम् चलति	=	रेलगाड़ी चल रही है।
व्यजनम् चलति	=	पंखा चल रहा है।
मुकुटम् अस्ति	=	मुकुट है
पत्रम् पतति	=	पत्ता गिर रहा है।

वाक्य	अर्थ लिखो
कर्ता क्रिया	
सः पठति	
बालकः चलति	
अश्वः धावति	
बालिका क्रीडति	
शुकः वदति	
भल्लुकः नृत्यति	
गायिका गायति	
अजा चरति	
कृषकः कृषति	
पुष्पम् विकसति	
रेलयानम् चलति	
पत्रम् पतति	
छात्रा पठति	

पुल्लिंग शब्द तीनो वचनों में

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
बालक:	बालकौ	बालका:
अश्व:	अश्वौ	अश्वा:
गज:	गजौ	गजा:
शुक:	शुकौ	शुका:
वानर:	वानरौ	वानरा:
कृषक:	कृषकौ	कृषका:
छात्र:	छात्रौ	छात्रा:
शिक्षक:	शिक्षकौ	शिक्षका:
वृक्ष:	वृक्षौ	वृक्षा:
मयूर:	मयूरौ	मयूरा:
वृद्ध:	वृद्धौ	वृद्धा:
मृग:	मृगौ	मृगा:

12/05/2020

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
बालिका	बालिके	बालिकाः
मक्षिका	मक्षिके	मक्षिकाः
लता	लते	लताः
घटिका	घटिके	घटिकाः
नौका	नौके	नौकाः
माला	माले	मालाः
पिपीलिका	पिपीलिके	पिपीलिकाः
अजा	अजे	अजाः
छात्रा	छात्रे	छात्राः
शिक्षिका	शिक्षिके	शिक्षिकाः
लेखिका	लेखिके	लेखिकाः
सेविका	सेविके	सेविकाः
छुरिका	छुरिके	छुरिकाः

13/05/2020

पुल्लिंग

तीनों वचनों के कर्ता और क्रिया का प्रयोग करके वाक्य रचना एवं अनुवाद करो।

बालकः पठति = बालक पढ़ रहा है।

बालकौ पठतः = दो बालक पढ़ रहे है।

बालकाः पठन्ति = सब बालक पढ़ रहे हैं।

छात्रः वदति = छात्र बोल रहा है।

छात्रौ वदतः = दो छात्र बोल रहे है।

छात्राः वदन्ति = सब छात्र बोल रहे हैं।

सिंहः गर्जति = शेर दहाड़ रहा है।

सिंहौ गर्जतः = दो शेर दहाड़ रहे है।

सिंहाः गर्जन्ति = सब शेर दहाड़ रहे हैं।

अश्वः धावति = घोड़ा दौड़ रहा है।

अश्वौ धावतः = दो घोड़े दौड़ रहे है।

अश्वाः धावन्ति = सब घोड़े दौड़ रहे हैं।

14/05/2020

स्त्रीलिंग

तीनो वचनों के कर्ता और क्रिया का प्रयोग करके वाक्य रचना व अनुवाद करो।

बालिका पठति = बालिका पढ़ रही है।

बालिके पठतः = दो बालिकाएं पढ़ रही हैं।

बालिकाः पठन्ति = सब बालिकाएं पढ़ रही हैं।

छात्रा लिखति = छात्रा लिख रही है।

छात्रे लिखतः = दो छात्राएं लिख रही हैं।

छात्राः लिखन्ति = सब छात्राएं लिख रही हैं।

नौका चलति = नाव चल रही है।

नौके चलतः = दो नावें चल रही हैं।

नौकाः चलन्ति = सब नावें चल रही हैं।

अजा चरति = बकरी चर रही है।

अजे चरतः = दो बकरियाँ चर रही हैं।

अजाः चरन्ति = सब बकरियाँ चर रही हैं।

Date 15.5.2020

मध्यम पुरुष के कर्ता और क्रिया के योग से वाक्य रचना।

त्वम् पठसि - तुम पढ़ रहे हो।

युवाम् पठथः - तुम दोनों पढ़ रहे हो।

यूयम् पठथ - तुम सब पढ़ रहे हो।

त्वम् खादसि - तुम खा रहे हो।

युवाम् खादथः तुम दोनों खा रहे हो

यूयम् खादथ तुम सब खा रहे हो।

त्वम् लिखसि तुम लिख रहे हो।

युवाम् लिखथः तुम दोनों लिख रहे हो।

यूयम् लिखथ तुम सब लिख रहे हो।

त्वम् चलसि तुम चल रहे हो।

युवाम् चलथः तुम दोनों चल रहे हो।

यूयम् चलथ तुम सब चल रहे हो।

Date 16/07/20

उत्तम पुरुष के कर्ता और क्रिया के योग से वाक्य रचना।

अहम् पठामि - मैं पढ़ रहा हूँ।

आवाम् पठावः - हम दोनों पढ़ रहे है।

वयम् पठामः - हम सब पढ़ रहे हैं।

अहम् लिखामि - मैं लिख रहा हूँ।

आवाम् लिखावः - हम दोनों लिख रहे है।

वयम् लिखामः - हम सब लिख रहे हैं।

अहम् वदामि - मैं बोल रहा हूँ

आवाम् वदावः - हम दोनों बोल रहे है।

वयम् वदामः - हम सब बोल रहे हैं

अहम् हसामि - मैं हस रहा हूँ

आवाम् हसावः - हम दोनों हस रहे है

वयम् हसामः - हम सब हस रहे है।

शब्दार्थ:

1. एषः -
2. कः -
3. चषकः
4. बृहत्
5. लघुः
6. किम्
7. सः
8. सौचि
9. करो
10. खेल
11. सीख
12. वस

प्रथमः पाठः - शब्दपरिचयः

शब्दार्थः

1. एषः - यह (पुल्लिंग)
2. कः - कौन? (पुल्लिंग)
3. चषकः गिलास
4. बृहत् बड़ी
5. लघुः छोटी
6. किम् - क्या?
7. सः वह
8. सौचिकः दर्जी
9. करोति करता है।
10. खेलति खेलता है।
11. सीव्यति सिलाई करता है।
12. वस्त्रं कपड़ा

13. एतौ - ये दो

14. शुनकौ - दो कुत्ते

15 गर्जत: दहाड़ रहे है।

16 उच्चै: जोर से

17. बुक्कत: भौंक रहे है।

18. तौ वे दो

19. बलीवर्दौ दो बैल

20 धावत: दौड़ रहे है

21 क्षेत्रं खेत

22 कर्षत: खोद रहे है।

23. एते ये सब

24 के - कौन? (सब के लिए)

25 स्यूता: थैले

26. हरितवर्णा: हरे रंग के

27. नीलवर्णा: नीले रंग के

28 ते वे सब

29. वृद्धा: बूढ़े

30 सन्ति हैं (बहुवचन)

31. गायन्ति गा रहे हैं।

32. हसन्ति हस रहे हैं।

अनुवाद:

एषः कः ? यह कौन है ?

एषः चषकः। यह गिलास है।

किम् एषः बृहत् ? क्या यह बड़ी है ?

न, एषः लघुः। नहीं, यह छोटी है।

सः कः ? वह कौन ?

सः सौचिकः । वह दर्जी है

सौचिकः किं करोति ? - दर्जी क्या कर रहा है?

किं सः खेलति ? - क्या वह खेल रहा है?

न सः वस्त्रं सीव्यति । नहीं, वह वस्त्र सिल रहा है।

एतौ कौ ? ये दो कौन हैं ?

एतौ शुनकौ स्तः । ये दो कुत्ते हैं

किम् एतौ गर्जतः ? क्या ये दोनों दहाड़ रहे हैं?

न एतौ उच्चैः भुक्कतः । नहीं, ये दोनों भौंक रहे हैं

तौ कौ ? वे दो कौन हैं ?

तौ बलीवर्दौ स्तः वे दो बैल हैं।

किं तौ धावतः ? क्या वे दोनों दौड़ रहे हैं?

न तौ क्षेत्रं कर्षतः । नहीं, खेत खोद रहे हैं।
वे दोनों

Date 09/07
Page

एते के ? - ये सब क्या हैं ?

एते स्यूता: सन्ति - ये सब थैले हैं

किम् एते हरितवर्णा: ? - क्या ये हरे रंग के हैं ?

नहि, एते नीलवर्णा: सन्ति । - नहीं, ये सब नीले रंग के हैं।

ते के ? — वे सब कौन हैं ?

ते वृक्षा: सन्ति । - वे सब वृक्ष हैं ?

किं ते गायन्ति ? क्या वे सब गा रहे हैं ?

नहि, ते हसन्ति । नहि, वे सब हस रहे हैं।

अभ्यास-प्रश्नाः

प्रश्न 6. पदानि संयोज्य वाक्यानि रचयत -

गजाः	चलन्ति
सिंहौ	गर्जतः
गायकः	गायति
बालकौ	पठतः
मयूराः	नृत्यन्ति

प्रश्न 7. मञ्जूषातः पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

क) मयूराः नृत्यन्ति ।

ख) गजौ चलतः ।

ग) वृक्षाः फलन्ति ।

घ) सिंहौ गर्जतः ।

ङ) वानराः खादति ।

च) अश्वः धावति ।

Date 09
Page

प्रश्न 8. सः, तौ, ते इत्येतेषां उचितं सर्वनामपदं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –

क) गजाः चलन्ति ते चलन्ति ।

ख) छात्रौ पठतः तौ पठतः ।

ग) वानराः क्रीडन्ति ते क्रीडन्ति ।

घ) गायकः गायति सः गायति ।

ङ) मयूराः नृत्यन्ति ते नृत्यन्ति ।

Date
Page 20/07

द्वितीय पाठ: - शब्द परिचय-II

स्त्रीलिंग

एषा का ? - यह कौन (है) ?
एषा दोला । - यह झूला (है)
दोला कुत्र अस्ति ? - झूला कहा है ?
दोला उपवने अस्ति । - झूला बगीचे में है।

सा का ? - वह कौन ?
सा घटिका । - वह घड़ी (है)
घटिका किं सूचयति ? - घड़ी क्या बताती है ?
घटिका समयं सूचयति । - घड़ी समय बताती है।

एते के ? - ये दो कौन ?
किम् एते कोकिले ? क्या ये दो कोयल है ?
न, एते चटके । - नहीं ये दो चिड़ियाँ है।
चटके किम् कुरुतः ? - दो चिड़ियाँ क्या कर रही है?
एते विहरतः - ये दोनों घूम रही है

Page 21/07

ते के ? - वे दोनों कौन ?
ते चालिके स्तः । - वे दोनों महिलाचालक है
ते किं कुरुतः ? - वे दोनों क्या कर रही है?
ते वाहनं चालयतः । - वे दोनों गाड़ी चला रही हैं।

एताः काः ? ये सब क्या ?
एताः स्थालिकाः ये सब थालियाँ है।
किम् एताः गोलाकाराः? क्या ये सब गोल है ?
आम्, एताः गोलाकाराः एव । = हाँ ये सब गोल ही है।

ताः काः ? = वे सब कौन ?
ताः अजाः । = वे सब बकरियाँ हैं।
ताः किं कुर्वन्ति ? = वे सब क्या कर रही हैं ?
ताः चरन्ति । = वे सब चर रही हैं ।

द्वितीयः पाठः

Date
Page २२|०७

शब्दार्थाः

एषा - यह (स्त्रीलिंग)

दोला - झूला

कुत्र - कहाँ

अस्ति - है

उपवने - बगीचे में

सा - वह (स्त्रीलिंग)

का - कौन (स्त्रीलिंग)

घटिका - घड़ी

किं - क्या ?

सूचयति - बताती है (सूचितकरती है)

समयं - समय

एते - ये दो (स्त्रीलिंग)

के - दो कौन

Date
Page 23/07

कोकिले - दो कोयल

चटके दो चिड़ियाँ

कुरुतः कर रही है।

विहरतः घूम रही है।

ते वे दो (स्त्रीलिंग)

चालिके महिला ड्राईवर

वाहनं गाड़ी

चालयतः चला रही है।

एताः ये सब (स्त्रीलिंग)

स्थालिकाः - थालियाँ

गोलाकाराः गोल

आम हो

ताः वे सब (स्त्रीलिंग)

अजाः बकरियाँ

चरन्ति चर रही है।

अभ्यास-प्रश्नाः

प्रश्न 5. कोष्ठकात् उचितं शब्दं चित्वा वाक्यं पूरयत।

क) अजे चरतः।

ख) द्विचक्रिका सन्ति।

ग) नौका चलति।

घ) सूचिका अस्ति।

ङ) मक्षिकाः उत्पतन्ति।

प्रश्न 6. सा, ते, ताः इत्येतेषां उचितं सर्वनामपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

क) ताः धावन्ति।

ख) सा वदति।

ग) ते दोलतः।

घ) ताः चलन्ति।

ङ) ते कूजतः।

educa
Date
Page 25/07

प्रश्न 7 मञ्जूषातः कर्तृपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत -

क) पुष्पमालाः सन्ति ।

ख) बालकः पश्यति ।

ग) लेखिका लिखति ।

घ) सिंहाः गर्जन्ति ।

ङ) त्रिचक्रिका चलति ।

प्रश्न 8. मञ्जूषातः कर्तृपदानुसारं क्रियापदं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत -

क) सौम्या नृत्यति ।

ख) बालकौ विहरतः ।

ग) बालिके गायतः ।

घ) छात्राः लिखन्ति ।

ङ) जनाः पश्यन्ति ।

तृतीयः पाठः

शब्दार्थाः

1. एतत् (नपुसकलिंग) = यह
2. विश्रामगृहम् = विश्रामालय
3. अत्र = यहाँ
4. भित्तिकम् = दीवार
5. खनित्रम् = कुदाल
6. श्रमिका = मजदूरनी
7. चालयति = चलाती है
8. एते = ये दोनों
9. बसयाने = दो बसें
10. कुत्र = कहाँ
11. गच्छतः = जा रहे हैं
12. रेलस्थानकम् = रेल्वे स्टेशन

Page 25/03

13. अङ्गुलीयके = दो अँगूठियाँ

14. स्तः = है (दो के लिए)

15. सुवर्णकारः = सुनार

16. एतानि = ये सब

17. कदलीफलानि = केले (बहु.)

18. मधुराणि = मीठे (बहु)

19. पोषकाणि = पोषक (बहु.)

20. करवस्त्राणि = रुमाल (बहु.)

21 पुराणानि = पुराने (बहु.)

22. नूतनानि = नये (बहु.)

Date 26/08

अनुवाद

1. एतत् किम् ?
एतत् खनित्रम् ।
श्रमिका खनित्रं चालयति ।

अर्थ यह क्या है ?
यह कुदाल है।
मजदूरनी कुदाल चला रही है।

2. तत् किम् ?
तत् विश्रामगृहम् अस्ति।
किम् तत्र भित्तिकम् अस्ति ?
अत्र भित्तिकम् न अस्ति ।

अर्थ यह क्या है ?
वह विश्रामघर है।
क्या वहाँ दीवार है ?
यह दीवार नहीं है।

3. एते के ?
एते अङ्गुलीयके स्तः ।
सुवर्णकारः अङ्गुलीयके रचयति ।

अर्थ ये दो क्या हैं ?
ये दो अँगूठियाँ हैं
सुनार अँगूठियाँ बना रहा है ।

4. ते के
ते बस
ते क्य
ते रे

अर्थ वे दो
वे दो
वे दो
वे दो

5. एतानि
एतानि
किम्
न ए

अर्थ ये
ये र
क्य
नही

6. ता
ता
कि
आ

अर्थ वे
वे

Date 27/08

4. ते के ?
ते बसयाने स्तः ।
ते बसयाने कुत्र गच्छतः ?
ते रेलस्थानकं गच्छतः ।

अर्थ वे दो क्या है ?
वे दो बसें हैं ।
वे दो बसें कहाँ जा रही हैं ?
वे दो बसें रेलवेस्टेशन जा रही हैं ।

5. एतानि कानि ?
एतानि करवस्त्राणि सन्ति ।
किम् एतानि पुराणानि ?
न एतानि तु नूतनानि ।

अर्थ ये सब क्या है ?
ये सब रूमाल हैं ।
क्या ये सब पुराने हैं ?
नहीं, ये सब तो नये हैं ।

6. तानि कानि ?
तानि कदलीफलानि सन्ति
किं तानि मधुराणि ?
आम् तानि मधुराणि पोषकाणि च ।

अर्थ वे सब क्या हैं ?
वे सब केले हैं ।

क्या वे सब मीठे है ?
हाँ, वे सब मीठे और पोषक है ।

चतुर्थः पाठः
विद्यालयः

शब्दार्थाः

1) सङ्गणकयन्त्राणि = कम्प्यूटर
2) अस्माकम् = हमारा
3) वयम् = हम सब
4) तव = तेरा
5) मम = मेरा
6) त्वम् = तुम
7) अहम् = मैं
8) एव = ही
9) अपि = भी
10) इदानीम = अब / इस समय
11) आवाम = हम दोनों
12) मित्रे = मित्र हैं (दो)
13) स्वः = हम दोनों है
14) यूयम् = तुम सब
15) आचार्ये = शिक्षिका (संबोधन)
16) युष्माकम् = तुम्हारा
17) कुत्र = कहाँ
18) सभागारम् = सभागार को

19) युवाम् = तुम दोनों

20) आचार्य ! = शिक्षक (संबोधन)

21) शोभनम् = अच्छा

22) गायाव! = (हम दो) गाते है / गाती है

23) रचयाव: = (हम दो) बनाते है / बनाती है।